प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

फार्मर फर्स्ट परियोजना के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों का गठन

विश्वविद्यालय के कृषि संचार विभाग के अधीन संचालित फार्मर फर्स्ट परियोजना द्वारा सूर्यजाला गांव ब्लॉक भीमताल का सर्वेक्षण कर दो महिला स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया। परियोजना के अंतर्गत गठित इन समूहों में से एक समूह खाद्य प्रसंस्करण एवं दूसरा समूह मशरूम उत्पादन हेतु बनाया गया। दोनों समूहों में गांव की महिलाओं ने नामांकन हेतु पूरे जोश के साथ प्रतिभाग किया। परियोजना अधिकारी डा. एस.के. कश्यप के नेतृत्व में गांव सूर्यजाला को परियोजना के अंतर्गत गोद लेने की मुहिम शुरू हो गयी है। सूर्यजाला गांव हर दृष्टिकोण से एक उचित गांव है, जिसमें परियोजना के विभिन्न इकाईयों को सफलतापूर्वक लागू किया जा सकता है। सूर्यजाला गांव एक कृषि पर निर्भर गांव है जहां साल भर विभिन्न सब्जियों, मसालों, फलों एवं अनाजों का उत्पादन किया जाता है। सह–परियोजना अधिकारी डा. किरन राना ने बताया कि स्वयं सहायता समूहों द्वारा गांव की महिलाओं को समृद्ध बनाने हेतु केन्द्रित प्रयास किये जा सकते हैं। परियोजना में निर्मित इन स्वयं सहायता समूहों को शैक्षणिक प्रशिक्षण दिया जायेगा तथा इन्हें विभिन्न मार्केटिंग प्रणालियों से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य है। इस कार्यक्रम में ग्राम प्रधान सहित, अन्य ग्रामीणों ने प्रतिभाग किया तथा परियोजना में कार्यरत एस.आर.एफ. डा. नेहा आर्या एवं प्रक्षेत्र सहायक श्वेता सिंह भी उपस्थित थी।

गांव की महिलाओं को जानकारी देते वैज्ञानिक।

निदेशक संचार